प्रजामण्डल आन्दोलन

परिभाषा ⇒ जनता द्वारा संगठन बनाकर उत्तरदायी शासन व्यवस्था के लिए किए गए आन्दोलन (राजा के विरुद्ध)

⇒ कांग्रेस अधिवेशन ⇒ 1938 हरिपुरा अधिवेशन
→ अध्यक्ष ⇒ सुभाषचन्द्र बोस
→ इन्होंने सर्वप्रथम कहा रियासती जनता उत्तरदायी शासन व्यवस्था के लिए आन्दोलन करे।

Trick

शहर		बीकानेर में		जैसमी		काकी	
शाहपुरा	रमेशचन्द्र ओझा	बीकानेर प्रजामण्डल	मघाराम वैद्य	जैसलमेर	मीठालाल व्यास	कान्तिलाल चौथानी	किशनगढ़
1938		1936			1945		1939

ने मामे		के साथ	मिलकर	भोडू के	
मेवाड़ प्रजा॰	माणिक्य लाल			डूँगरपुर	भोगीलाल पाण्ड्या
1938				1944	

बाबू		को	मारा	जब		कब		कौन	
बांसवाड़ा	भूपेन्द्रनाथ			जयपुर	जमनालाल बजाज	कांतिलाल जैन	बूंदी	कोटा	नयनूराम शर्मा
1943				1936-37			1931		1939

डुंगरपुर प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ भोगीलाल पाड्या ने 1944
  - इन्होंने स्थापना की ⇒ वागड़ सेवा मंदिर - 1935
- डुंगरपुर शासक ⇒ लक्ष्मणसिंह
- राज० की एकमात्र रियासत जहाँ शिक्षा पर प्रतिबंध लगाया ⇒ डुंगरपुर
- पूनावाड़ा काण्ड 1947 ⇒ घटना ⇒ पूनावाड़ा गाँव (डुंग०) मे स्कूल मालिक शिवराम भील के साथ मारपीट की गई थी।
- रास्तापाल काण्ड 19 जून 1947
  - घटना ⇒ स्कूल मालिक नानाभाई खांट + शिक्षक सेंगाभाई खांट + 12 वर्षीय भील बालिका कालीबाई को गोली मारी गई।

note ⇒ नानाभाई खांट + कालीबाई खांट का स्मारक बनाया ⇒ गैब सागर (डुंगरपुर)

धौलपुर प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ ज्वालाप्रसाद जिज्ञासु + जौहरीलाल इन्दु
- समय ⇒ 1936
- अध्यक्ष ⇒ कृष्णदत्त पालीवाल
- तसीमो काण्ड 11 Apr. 1947
  - घटना ⇒ प्रजामण्डल के कार्यकर्ता द्वारा धौलपुर के तसीमो गाँव मे सभा आयोजित की गई जिस पर पुलिस कर्मचारियो ने गोलीबारी कर वा दी इस घटना मे दो लोग मारे गए पन्चमसिंह कुशवाह, छत्रपाल।

भरतपुर प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ किशनलाल जोशी ने + मास्टर आदित्येन्द्र + युगलकिशोर चतुर्वेदि
- समय ⇒ 1938
- अध्यक्ष ⇒ गोपीलाल यादव
- यहा का शासक था ⇒ **किशनसिंह** ⇒ इसके द्वारा जनता का साथ देने के कारण अंग्रेज सरकार ने इससे पद छीन लिया।
- इस प्रजामण्डल का नया नाम रखा ⇒ **भरतपुर प्रजा परिषद**
- यहा अंग्रेज अधीकारी लार्ड वेवेल बतखो का शिकार करने आया इसके खिलाफ नारा लगाया ⇒ go back वेवेल / वेवेल वापस जाओ।

note 1 ⇒ भरतपुर प्रजामण्डल आन्दोलन के दौरान मरने वाला व्यक्ति रमेशस्वामी था

note 2 ⇒ भरतपुर प्रजामण्डल आन्दोलन मे भाग लेने वाली महिला सरस्वती गौरा थी।

अलवर प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ हरिनारायण शर्मा ⇒ 19

करौली प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ त्रिलोकचन्द्र माथुर 1938

प्रजामण्डल प्रतापगढ

- संस्थापक ⇒ अमृतलालपाठक ⇒ 1945

कुशलगढ प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ भंवरलाल निगम 1942

झालावाड़ प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ मांगीलाल भव्य 1946 में
- राजस्थान का सबसे अन्त में निर्मित प्रजामण्डल था।

हाड़ौती प्रजामण्डल

हाड़ौती प्रजामण्डल → हाड़ौतीक्षेत्र ⇒ कोटा + बूंदी + बारां + झालावाड़

- संस्थापक ⇒ नयनूराम शर्मा + अभिन्न हरि 1934
- Imp. **पहला अधिवेशन सभा आयोजित की** 1934
  - आयोजन स्थल ⇒ कोटा
  - पहला अध्यक्ष ⇒ हाजी फैज मौहम्मद खां

कोटा प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ नयनूराम शर्मा + अभिन्न हरि ⇒ 1939
- इसकी पहली सभा / अधिवेशन आयोजित की।
  - **1940 में मांगरोल (बाँरा)** ⇒ अध्यक्ष ⇒ नयनूराम शर्मा

जयपुर प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ कर्पूरचंद पाटनी ने 1931 में
  - जनसहयोग नहीं मिला
  - राज० का सर्वप्रथम निर्मित प्रजामण्डल था
  - असफल हुआ
- पुनः स्थापना की ⇒ जमनालाल बजाज
  - कैदी न० 5
  - गुलाम
  - गाँधी का 5वा पुत्र
  - ⇒ समय ⇒ 1936 - 37
  - ⇒ अध्यक्ष ⇒ चिरंजीलाल मिश्र

→ इस प्रजामण्डल का पहला अधिवेशन / सभा आयोजित की ⇒ 1938 मे जयपुर
→ अध्यक्ष ⇒ जमनालाल बजाज

Note ⇒ राज॰ का एकमात्र ऐसा प्रजामण्डल जिसकी स्थापना दो बार हुई थी।

⇒ **जेंटलमेन एग्रीमेन्ट 1942**

- मध्य हुआ ⇒
  - जयपुर प्रधानमंत्री ⇒ मिर्जा इस्माइल
  - प्रजामण्डल की तरफ से ⇒ हीरालालशास्त्री
    - पुस्तक लिखी ⇒ प्रत्यक्ष जीवनशास्त्र
- **प्रस्ताव रखा**
  - जयपुर जनता भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग नहीं लेगी
  - जयपुर सरकार उत्तरदायी व्यवस्था स्थापित करेगी
- **आजाद मोर्चा**
  - नेतृत्वकर्ता ⇒ बाबा हरीश्चन्द्र
  - अन्य सदस्य ⇒ रामकरण + दौलतमल + गुलाबचन्द कासलीवाल
  - उद्देश्य था ⇒ भारत छोड़ो आन्दोलन मे भाग लेगा।

मेवाड़ प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ माणिक्यलाल वर्मा + भूरेलाल बयां ⇒ कैद किया ⇒ सराडा जेल (उदयपुर)
  - (माणिक्यलाल वर्मा) उपनाम ⇒ मेवाड़ का गांधी
  - (सराडा जेल) उपनाम ⇒ मेवाड़ का काला पानी
- समय ⇒ 24 Apr. 1938
- अध्यक्ष ⇒ बलवन्तसिंह मेहता

- सर्वप्रथम सत्याग्रह किया ⇒ रमेशचन्द्र
- प्रथम सभा / अधिवेशन हुआ ⇒ उदयपुर में 1941 में
  - अध्यक्ष ⇒ माणिक्यलाल वर्मा
  - भाग लिया ⇒ J.B कृपलानी + विजयलक्ष्मी पण्डित
- यहाँ की जनता को जागरूक करने के लिए गीत गाया ⇒ माणिक्यलाल वर्मा ने देशभक्ति गीत ⇒ पछीड़ा गीत
- माणिक्यलाल वर्मा को मेवाड़ से निष्कासित कर दिया।
- माणिक्यलाल वर्मा ने आन्दोलन का केन्द्र बनाया ⇒ अजमेर
- सभा / पंचायत आयोजित हुई ⇒ अखिल भारतीय देशी राज्य लोकपरिषद की
  - समय ⇒ 31 Dec 1945 से 1 जनवरी 1946 तक उदयपुर में
  - जवाहरलाल नेहरू
    - घोषणा की ⇒ रियासती राजा जल्दी से जल्दी उत्तरदायी शासन व्यवस्था स्थापित करें।

मारवाड़ / जोधपुर प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ जयनारायण व्यास 1934 में
- अध्यक्ष ⇒ भंवरलाल सर्राफ
- यहाँ जनता की जागरूकता के लिए संस्था थी
  - मारवाड़ हितकारिणी सभा
    - संस्थापक ⇒ चांदमल सुराणा
    - समय ⇒ 1918
  - मारवाड़ सेवा संघ
    - संस्थापक ⇒ जमनालाल
    - समय ⇒ 1920
  - मारवाड़ यूथ / युवक लीग
    - जयनारायण व्यास 1931
- स्थापना हुई ⇒ मारवाड़ लोक परिषद 1938
  - अध्यक्ष ⇒ रणछोड़ गट्टानी

→ मारवाड़ में जनजाति का काम किया

⇒ **जयनारायण व्यास** ⇒ उपनाम ⇒
- → राज॰ का शेर / शेर ए-राज॰
- → धुन का धणी
- → अक्कड़ फक्कड़
- → लोकनायक
- → जननायक
- → मास्साब

→ पुस्तक लिखी ⇒ मारवाड़ की अवस्था
⇒ पोपाबाई की पोल

→ समाचार पत्र चलाये
- → **अखण्ड भारत** चलाया ⇒ मुम्बई से
- → **पीप** / ~~अग्निबाण~~ चलाया ⇒ दिल्ली से
- → **आगीबाण / आग्नेबाण** ⇒ अजमेर

<u>note</u> ⇒ जयनारायण व्यास को कैद करके रखा ⇒ सिवाड़ ~~किला~~ जेल (बालोतरा) में

<u>note</u> ⇒ जोधपुर जेल में भूखहरताल से क्रान्तिकारी बालमुकुन्द बिस्सा मरा।

<u>note</u> ⇒ बालमुकुन्द बिस्सा को राज॰ का जतिनदास कहते है।

डाबड़ा काण्ड (13 March 1947)

→ घटना ⇒ मथुरादास के नेतृत्व में डाबड़ा (गाँव) डीडवाना में प्रजामण्डल के लोगो ने सभा आयोजित की जब पुलिस कर्मचारीयो ने गोलीबारी कर दी इस घटना में चुन्नीलाल मारा गया।

बीकानेर प्रजामण्डल

- संस्थापक ⇒ मैघाराम वैद्य + रघुवरदयाल गोयल ने 1936 मे
  - पुस्तक ⇒ बीकानेर की थोथी-पोथी
- संस्थापना स्थान ⇒ कलकता (प० बंगाल) ⇒ ऐसा प्रजामण्डल जिसकी स्थापना राज० से बाहर हुई।
- बीकानेर शासक ⇒ गंगासिंह
  - यह अंग्रेजो द्वारा आयोजित सम्मेलन ⇒ गोलमेज सम्मेलन -1931 मे भाग लेने लंदन गया
- बीकानेर दिग्दर्शन ⇒ यह पत्रिका थी जिसे बीकानेर की जनता ने गंगासिंह को अपमानित करने के लिए लंदन भेजी, जिससे गंगासिंह की बीकानेर मे बेइज्जती हुई थी।
- बीकानेर षड्यंत्र केस ⇒ गंगासिंह ने बीकानेर दिग्दर्शन के आरोप में रघुवरदयाल गोयल + लक्ष्मीदास को गिरफतार किया।
- रायसिंहनगर काण्ड ⇒ रायसिंह नगर (गंगानगर) में पुलिस की गोली लगने से आंदोलनकारी ⇒ बीरबल मारा गया

note ⇒ बीरबल दिवस कब मनाया जाता है। ⇒